http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 10

प्रयागराज मंगलवार 24 सितम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

इविवि: एक सौ अड़तीस `138 ' वां स्थापना दिवस

● हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के शताब्दी वर्ष पर सेवा-निवृत्त शिक्षकों का अभिनंदन समारोह, सांस्कृतिक समिति ने लगाई प्रदर्शनी, स्पोर्ट्स बोर्ड ने करवाई कबड्डी प्रतियोगिता।

● इलाहाबाद विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर - संगीता

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 138वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य और हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के शताब्दी वर्ष पर सोमवार को हिंदी विभाग के सेवा–निवृत्त शिक्षकों का अभिनंदन समारोह हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने की। प्रो. ईश्वर टोपा सभागार में हुए अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने कुलगीत गाया। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. लालसा यादव की अगुवाई में हिंदी विभाग के सभी शिक्षकों ने कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस मौके पर कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों के स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। एक कविता के माध्यम से उन्होंने कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की प्रकृति में भंवर से लड़ना और उलझना है। हमारी प्रकृति है कि हम संघर्ष से सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय को श्रेष्ठ से श्रेष्ठतम बनाने में सभी का सहयोग मिल रहा है। विश्वविद्यालय में 350 नए शिक्षक आए हैं तो 400 से अधिक गैर शिक्षक कर्मचारी भी मिले हैं। इविवि को क्यूएस वर्ड रैंकिंग में पहली बार स्थान मिला है। दुष्यंत कुमार की कविता 'फिर यहां का मौसम धीरे–धीरे बदलने लगा है' के माध्यम से उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एक फिर बदलाव की दिशा में है। शिक्षा के साथ खेल–कूद को भी अहमियत दी जा रही है। हमारा आत्मसम्मान तभी तक, जब हम करेंगे हिंदी का सम्मान कार्यक्रम के दौरान अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने कहा कि हिंदी राज्यभाषा तो बनी लेकिन कुछ कारणों से राष्ट्रभाषा नहीं बन सकी। हिंदी मेरे हृदय की भाषा बन गई है। हमारा आत्मसम्मान तभी तक बरकरार रहेगा जब हम अपनी हिंदी भाषा को सम्मान देंगे। अल्लामा इकबाल की पक्तियों "खुद्दी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले खुद्दा बंदे से खुद्द पूछे बता तेरी रजा क्या है" के माध्यम से उन्होंने सभी उपस्थित लोगों में जोश भरा। उन्होंने कहा कि हिंदी विभाग का स्वर्णिम इतिहास रहा है। मेरा प्रयास है कि हिंदी विभाग और प्रगति करे। उहोंने कहा कि 'नई कविता' इलाहाबाद विश्वविद्यालय की ही देन है। सेवानिवृत्त शिक्षक प्रो. राजेंद्र कुमार ने कहा कि शिक्षक जीवनभर ज्ञान के प्रति जागरूक रहता है। सभी शिक्षक ज्ञान के प्रति जिज्ञासु रहे और विद्यार्थियों को जिज्ञासु बनाते रहें। एक विद्यार्थी की पहचान उसके शिक्षक से होती है। इससे पहले हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. लालसा यादव ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने हिंदी विभाग के पूर्व शिक्षकों के कार्यकाल और गौरवमयी इतिहास पर प्रकाश डाला। कुलानुशासक प्रो. राकेश सिंह ने कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव के लिए अभिनंदन पत्र पढ़ा। मंच संचालन हिंदी विभाग के शिक्षक डा. कुमार बीरेंद्र ने किया। हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. प्रणय कृष्ण ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान कुलसचिव प्रो. आशीष खरे, कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. संजय सक्सेना, अधिष्ठाता– कॉलेज डेवलपमेंट प्रो. एनके शुक्ल, अधिष्ठाता– छात्र कल्याण प्रो. हर्ष कुमार, जनसंपर्क अधिकारी प्रो. जया कपूर, दृश्यकला विभाग के अध्यक्ष प्रो. अरूण जेटली को हिंदी विभाग की ओर से पौधा देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे। इन पूर्व शिक्षकों को किया गया सम्मानित कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तन ने हिंदी विभाग के पूर्व शिक्षकों प्रो. राजेंद्र कुमार, प्रो. रामकिशोर, प्रो. शैल पांडेय, प्रो. कृपाशंकर पांडे, डा. मधु गौतम, डा. निर्मला अग्रवाल, प्रो. निशा अग्रवाल और प्रो. कात्यायनी सिंह को शाल पहनाकर और पौधा देकर सम्मानित किया गया। स्थापना दिवस पर लगाई गई प्रदर्शनी विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सीनेट परिसर स्थित प्रो. ईश्वर टोपा भवन में केंद्रीय सांस्कृतिक समिति की ओर से एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें प्रो. अरूण जेटली की अगुवाई में चिघ्त्रों के माध्यम से विश्वविद्यायल के पिछले कुछ वर्षों की प्रगति को चित्रित किया गया। कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने दीप जलकार प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद केक काटकर 138वां स्थापना दिवस मनाया। स्पोर्ट्स बोर्ड की ओर से हुआ फ्रैंडली कबड्डी मैच स्पोर्ट्स बोर्ड की ओर से विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में साइंस फैकल्टी स्थित एमसीसी स्टेडियम में विद्यार्थियों के बीच एक मैत्री कबड्डी मैच भी कराया जाएगा। स्पोर्ट्स बोर्ड के निदेशक डा. सर्वश्रेष्ठ धम्मी ने बताया कि भारतीय खेल परंपरा को आगे बढ़ाते हुए कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में कबड्डी मैच करवाया गया।

जनता का पैसा मायावती सरकार नोटों की माला, मुलायम सरकार सैफई जश्न में उड़ती थी।

प्रयागराज। सोमवार को मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य शिव पार्क मलाकराज कीडगंज में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश सरकार मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने फीता काटकर किया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण कराया। जिन्हें निःशुल्क दवाई भी दी गई। मंत्री नन्दी ने कहा कि स्वस्थ समाज की

दिशा में यह कदम जनसेवा के प्रति हमारे सरका की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शिविर में करीब 400 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। मंत्री नन्दी ने कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 140 करोड़ देशवासियों तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 करोड़ प्रदेशवासियों की बेहतरी के लिए दिन रात कार्य कर रहे हैं। जब मायावती का जन्मदिन मनाया जाता था तो नोटों की माला पहनाई जाती थी। विधायकों, सांसदों, मंत्रियों को लक्ष्य दिया जाता था पैसा का। मुलायम सिंह यादव के जन्मदिन पर सैफई में नाच गाना होता था। करोड़ों रूपया नाच गाने पर खर्च होता था। फिल्म इण्डस्ट्री और विदेशों से कलाकार आते थे। जनता के टैक्स का पैसा, गाढ़ी कमाई का पैसा सैफई में खर्च होता था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा के तहत जनता की सेवा, समाज की सेवा, प्रकृति की सेवा और राष्ट्र की सेवा का कार्य किया जा रहा है। पूरा भारत विकसित भारत का स्वरूप ले, इसके लिए हम सबकी भी जिम्मेदारी है कि हम ईमानदारी और निष्ठापूर्वक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। मंत्री नन्दी ने कहा कि 2017 के पहले प्रदेश में गुण्डों, माफियाओं और बदमाशों का राज चलता था। गुण्डे–माफिया जिसका चाहे, उसका मकान कब्जा कर लेते थे। आज गुण्डई करने वाले कहां हैं, यह बताने की जरूरत नहीं है। प्रयागराज तो इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। गुण्डों, माफियाओं पर कठोर कार्रवाई कर कानून का राज कायम किया गया है।

परमार्थदर्शन के उद्भावक महामहोपाध्याय रामावतार शर्मा हैं

प्रयागराज। संस्कृत,पालि,प्राकृत एवं प्राच्यभाषा विभाग,इलाहाबाद विश्वविद्यालय में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित "भारतीय शास्त्रपरंपरा परमार्थदर्शनञ्च" विषय पर संस्कृत एवं हिंदी के लब्ध प्रतिष्ठित शिक्षाविद् नई दिल्ली केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पूर्व कुलपति प्रोफेसर राधावल्लभत्रिपाठी का विशिष्ट व्याख्यान। कार्यक्रम की सारस्वत अतिथि संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर मृदुला त्रिपाठी रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम समस्त अतिथियों के द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीपक प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, तत्पश्चात विद्यार्थियों के द्वारा मंगलाचरण किया गया। समस्त अतिथि विद्वानों को माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र के द्वारा सम्मानित किया गया। संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर प्रयाग नारायण मिश्र के द्वारा संस्कृत पद्यमाला के द्वारा मुख्य अतिथि एवं समस्त अतिथियों का स्वागत किया गया। आपने बताया कि विभाग के द्वारा प्राचीन भारतीय

साहित्य से लेकर अर्वाचीन साहित्य की विविध धाराओं पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है जिसके अंतर्गत आज का व्याख्यान अत्यंत महत्वपूर्ण है। संस्कृत विभाग के सह आचार्य डॉ विनोद कुमार ने कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो.राधावल्लभ त्रिपाठी का व्यापक एवं विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया। तत्पश्चात् मुख्य वक्ता प्रो.राधावल्लभ त्रिपाठी के द्वारा भारतीय शास्त्रपरम्परा का विकास तथा परमार्थ दर्शन विषय पर विशिष्ट व्याख्यान हुआ। सबसे पहले उन्होंने संस्कृत के विकास के पांच चरणों का उल्लेख करते हुए बताया कि संस्कृत शास्त्र परम्परा के अन्तर्गत प्रथम उन्मेष में ईसा के दस हजार वर्ष पूर्व से लेकर पांचवी शताब्दी तक वेद, पुराण आदि का सृजन हुआ जिसे मंत्र कल कहा जा सकता है। पश्चात तर्क का काल आता है जिसमें उन्होंने कहा कि तर्क का ज्ञान मनुष्य को ऋषि बना देता है,तथा उत्सर्ग, अपवाद आदि शास्त्र परम्परा पर वर्तमान में नासा के वैज्ञानिक शोधकार्य कर रहे हैं। आधुनिक समय में भी मौलिक विचारधाराओं का विकास अवरूद्ध नहीं हुआ। जिसके अंतर्गत तत्पश्चात् आपने बताया कि परमार्थदर्शन के उद्भावक महामहोपाध्याय रामावतार शर्मा हैं जिसके अंतर्गत आपने दर्शन के विभिन्न तत्वों का प्रतिपादन किया है,लेक्चर्स इन वेदांत भी रामावतार शर्मा ने लिखा है वे दार्शनिक,कवि,विचारक,एवं श्रेष्ठ ग्रंथकार थे । मध्यकाल में अकबर के समय संस्कृत के अनेक ग्रंथों का निर्माण किया गया तथा रसमंजरी के प्रणेता वेदांतदेशिक अत्यंत श्रेष्ठ दार्शनिक थे। इसी प्रकार सोलहवीं शताब्दी में भास्कर राय महान नैयायिक थे।महानिर्वाणतन्त्र नामक रचना सत्रहवी शताब्दी की रचना है। राधाकांत देव द्वारा रचित वाचस्पत्यम् तथा प्रो.राधा वल्लभ त्रिपाठी द्वारा प्रणीत पंडित्स इन माडर्न इंडिया आधुनिक संस्कृत से संबंधित श्रेष्ठ रचनाएं हैं। तत्पश्चात् सारस्वत अतिथि संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व अधिष्ठाता कला संकाय प्रो.मृदुला त्रिपाठी ने कहा कि ज्ञान सर्वदा ही पूजनीय होता है अतः हम सभी को ज्ञान के प्रति उन्मुख रहना चाहिए। तत्पश्चात् कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. संजय सक्सेना ने कहा कि भारत में प्रत्येक दार्शनिक चिंतन की खोज के लिए हम भारत की प्राचीन ज्ञान परम्परा एवं चिन्तन की ओर उन्मुख होते हैं । फिर भी विभिन्न प्रकार से पाश्चात्य का अन्धानुकरण करना उचित नहीं है। तत्पश्चात कार्यक्रम के अन्तर्गत धन्यवाद ज्ञापन करते हुए संस्कृत विभाग के आचार्य प्रो.अनिल प्रताप गिरि ने कहा कि संस्कृत शास्त्रों की मध्यकालीन चिन्तन परम्परा दशवीं शताब्दी के उदयनाचार्य से प्रारंभ होकर अद्यावधि दर्शन की अत्यंत गम्भीर एवं विशिष्ट चिंतन परम्परा दिखलाई पड़ती है। आपने संस्कृत में विद्यमान ज्ञानपरम्परा का विशिष्ट रूप से प्रतिपादन करते हुए सभी विद्वानों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस विशिष्ट कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर निरुपमा त्रिपाठी सहचार्य संस्कृत विभाग ने किया। सामूहिक शांति पाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।इस अवसर पर डॉ. तेज प्रकाश, डॉ मीनाक्षी जोशी,डॉ.लेखराम दन्नाना, डॉ.संदीप कुमार, डॉ संत प्रकाश तिवारी, डॉ. प्रचेतस, डॉ. भूपेंद्र अरुण, डॉ.अनिल कुमार, डॉ. रेनू कोछड़ शर्मा, डॉ. विकास शर्मा डॉ आशीष त्रिपाठी, डॉ. रजनी गोस्वामी डॉ.प्रतिभा आर्या,डॉ.सतरुद्र प्रकाश,डा.आरूणेय मिश्र,डॉ. सत्य प्रकाश श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत मिशनः व्यवहार परिवर्तन का दशक

काशी। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 145 वीं जयंती पर 2अक्टूबर 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की थी, तो शायद ही किसी को इसके परिवर्तनकारी प्रभाव का अंदाजा रहा होगा। व्यवहार परिवर्तन के आह्वान के रूप में शुरू हुआ स्वच्छता अभियान आज एक वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त पहल बन चुका है, जिससे शिशु मृत्यु दर और बीमारियों में कमी आई है, लड़कियो की स्कूल में उपस्थिति बढ़ी है, महिलाओं के खिलाफ अपराध कम हुए हैं और आजीविका में सुधार हुआ है। स्वच्छ भारत मिशन अपनी 10वीं वर्षगांठ मना रहा है। 2अक्टूबर2024 को यह अभियान अपनी यात्रा का दस वर्ष पूरा कर रहा है। स्वच्छता, सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा एक बुनियादी उपाय है। स्वच्छता से डायरिया, हैजा, टाइफाइड, हेपेटाइटिस, कृमि संक्रमण एवं मलाशय संबंधी रोग जैसी जल–जनित बीमारियों के साथ–साथ कुपोषण का खतरा कम हो जाता है। भारत में स्वच्छता का इतिहास बहुत पुराना है और इसकी शुरुआत सिंधु घाटी सभ्यता से होती है, जहां शौचालय निर्माण एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग किया जाता था। हमारे शास्त्रों में कहा गया हैदृ 'स्वच्छे देहे स्वच्छचित्तं, स्वच्छचित्ते स्वच्छज्ञानम' यानी स्वच्छ शरीर में शुद्ध मन का निवास होता है और शुद्ध मन में सच्चे ज्ञान का निवास होता है। इस समृद्ध विरासत के बावजूद, व्यापक स्वच्छता की दिशा में भारत की यात्रा चुनौतियों से भरी रही है। भारत सरकार द्वारा विभिन्न स्वच्छता कार्यक्रमों– जैसे केन्द्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम, संपूर्ण स्वच्छता अभियान और निर्मल भारत अभियान– शुरू किये गए। इन सभी कार्यक्रमों की सहायता से वर्ष 2014 तक ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता कवरेज मात्र 39 प्रतिशत तक रहा। दुनिया भर में होने वाले खुले में शौच का लगभग 60 प्रतिशत की हिस्सेदारी रही । हमारे देश में 50 करोड़ से अधिक लोग खुले में शौच करते थे। हमारी महिलाओं के सामने अधेरे में अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने और अपनी गरिमा एवं सुरक्षा बनाए रखने की दुविधा थी। इसी पृष्ठभूमि को ध्यान में रख कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पांच वर्षों में ग्रामीण भारत को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाने के लक्ष्य के साथ 2014 में स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की शुरुआत किया और सबके प्रयास और जनभागीदारी से देश ने 2 अक्टूबर 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर खुले में शौच मुक्त उपलब्धि हासिल कर ली। पांच वर्षों के दौरान, ग्रामीण स्वच्छता कवरेज बढ़कर शत–प्रतिशत हो गया। स्वच्छ भारत मिशन एक ऐसा राष्ट्रव्यापी आंदोलन बन गया,जिसने व्यवहार में परिवर्तन से संबंधित एक ठोस क्रांति के साथ बुनियादी ढांचे के विकास को मिलाकर एक अरब से अधिक लोगों को प्रेरित किया। इसकी पहचान एक श्जन आंदोलनश के तौर पर बन गयी और यह शायद व्यवहार में परिवर्तन से संबंधित दुनिया की सबसे बड़ी कवायद थी। बच्चों, महिलाओं, पुरुषों, समुदाय के नेताओं, नागरिक समाज और सरकारी मशीनरी ने एकजुट होकर काम किया। स्वच्छता से जुड़े संदेश हर माध्यम से लोगों तक पहुंचे। मशहूर हस्तियों ने इस सामूहिक सुर में सुर मिलाया। ग्राम–स्तर के स्वयंसेवक (श्स्वच्छाग्रहीश) जमीनी स्तर पर परिवर्तन के चौंपियन बन गए। प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों, बैठकों, 'मन–की–बात' में किए जाने वाले वार्तालापों और विभिन्न स्थानों एवं परिसरों की सफाई के आदर्श कार्यों के माध्यम से देश का नेतृत्व किया और लोगों को प्रेरित किया। एसबीएम चरण–ए की सफलता के बाद, चरण–बी की शुरुआत की गई। इस चरण का उद्देश्य ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, परिदृश्य स्वच्छता और समग्र ग्रामीण स्वच्छता के व्यापक पहलुओं का समाधान करते हुए ओडीएफ संबंधी उपलब्धियों को बनाए रखना है। वर्ष 2024–25 तक, सभी गांवों को स्थायी तौर–तरीकों और बेहतर स्वच्छता की विशेषता से लैस ओडीएफ प्लस मॉडल में बदलने का लक्ष्य है। इस मिशन का अगला लक्ष्य संपूर्ण स्वच्छता है– जिसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक, समुदाय और संस्थान की ओर से निरंतर समर्पण की आवश्यकता होगी। वर्ष 2017 में एक अध्ययन में, यूनिसेफ ने अनुमान लगाया कि 93 प्रतिशत महिलाएं घर में शौचालय उपलब्ध होने के बाद सुरक्षित महसूस करती हैं, जो महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा को बढ़ाने में एसबीएम की भूमिका को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, इस अध्ययन में किए गए आर्थिक विश्लेषण से पता चला कि ओडीएफ गांवों में प्रत्येक परिवार को स्वास्थ्य संबंधी देखभाल पर अपेक्षाकृत कम खर्च करने पड़े इससे आर्थिक और समय दोनों कि बचत हुई। स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के बीच के संबंध को देखते हुए, एसबीएम से हासिल हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी लाभ अपरिहार्य हैं। स्वच्छ भारत मिशन इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि समर्पण, सहयोग, योजना, शानदार कार्यान्वयन और निरंतर जन आंदोलन के जरिए क्या कुछ हासिल किया जा सकता है। स्वच्छ भारत मिशन की सफलता के चार मंत्र– राजनीतिक इच्छाशक्ति, सार्वजनिक वित्त, साझेदारी और जनभागीदारी– के साथ–साथ अनुनय, इस कार्यक्रम की सफलता एवं प्रसार में सहायक रहे हैं। अब जबकि हम विकसित भारत /2047 की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हमें स्वच्छता और साफ–सफाई के मामले में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश के रूप में उभरने की जरूरत है। व्यवहार में बदलाव को बनाए रखने, निर्मित शौचालयों का निरंतर उपयोग सुनिश्चित करने और अपशिष्ट प्रबंधन के उन्नत उपायों को समन्वित करने की प्रतिबद्धता अटल रहनी चाहिए। स्वच्छता एक ऐसा साझा मूल्य बनना चाहिए, जिसके स्वामित्व और पालन की जिम्मेदारी हम सभी को उठानी चाहिए स एसबीएम के एक दशक की अवधि में हमें अभूतपूर्व लाभ हुए हैं– स्वच्छ पर्यावरण, महिलाओं की गरिमा एवं सुरक्षा, जीवनयापन में आसानी, घरेलू बचत और हमारी परंपरा के अनुरूप स्वच्छता की संस्कृति से हम समृद्ध हुए हैं। अब हम सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और जीवन बचाने में एसबीएम की एक मजबूत छाप भी देख रहे हैं व्यवहारिक रूप में देखा जाय तो व्यक्तिगत, समुदायिक स्वछता के प्रति लोगों का व्यवहार बदला है। अब ट्रेन हो या बस या अन्य सार्बजनिक स्थल लोग खान –पान से निकले अवशिष्ट को नियत स्थान पर ही फेकते हैं। हाथ कब कब धोना चाहिए यह बच्चे बखूबी जान गए है। आज स्कूल, गली, मुहल्ले, अस्पताल साफ दिखाई देने लगे हैं। शहर की गलियों में सिटी बजना घर के कूड़ा उठान का संदेश बनगया है। घर घर में शौचालय बन गए हैं सार्वजनिक, धार्मिक एवं भीड भाड़ वाले क्षेत्रों में सामुदायिक शौचालय एक बुनियादी सुविधा के साथ रोजगार सृजन के साधन बन गए हैं। अब कार्यालय हो या सार्बजनिक स्थल लोग अब डस्ट विन की तरफ उन्मुख हुए हैं स खुले में अवशिष्ट फेकने में लोगों को अब हिचक होने लगी है। लेकिन सिंगल यूज प्लास्टिक आज भी इस अभियान के लिए एक चुनौती बनी हुई है। दूसरी समस्या है गुटका तम्बाकू खा कर दीवारों और सड़क के डिवाइडर पर थूकने की, इसका समाधान भी जागरूकता पर निर्भर है। एक कदम स्वच्छता की ओर का घोष्य वाक्य गाँधी जी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार कर रहा है।

चिंता का सबब

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा में पिछले साल की तुलना में दोगुने यात्री पहुंच रहे हैं। यह वाकई हर किसी के लिए चिंता का सबब है। बेतहाशा बढ़ती भीड़ और अव्यवस्था के चलते बारह यात्रियों की मौत हो चुकी है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चुनावी रैली छोड़ कर देहरादून पहुंचे। बैठक लेकर उन्होंने निर्देश दिया कि 31मई तक सभी वीआईपी दर्शन पर रोक रहेगी। यात्रा मार्गों पर भीषण जाम है, तीर्थयात्री घंटों–घंटों उनमें फंसे हैं। कुछ की तबीयत बहुत बिगड़ गयी।

कुछ श्रद्धालुओं को आधे रास्ते से ही वापस लौटना पड़ा। जबरदस्त भीड़ को देखते हुए पंजीकरण दो दिन के लिए रोके जा चुके हैं। यह सच है कि वीआईपी कल्चर के चलते होने वाली व्यवस्थागत गड़बडियों को नजरंदाज किया जाता है। खासकर इस तरह के बड़े तीर्थस्थानों तथा धार्मिक स्थलों में खास लोगों के लिए की जाने वाली व्यवस्था में पुलिस व सुरक्षा बलों की बड़ी संख्या जुटती है। ऐसे में आम नागरिक की तरफ से ध्यान हट जाता है।खुद को अलग और विशेष मानने वाला बड़ा वर्ग है अपने यहां, जो अपनी समृद्धि और ताकत का प्रयोग कर अपनी विशिष्टता दर्शाने में संकोच नहीं करता। निरूसंदेह खास लोगों की आस्था का भी ख्याल रखा जाना जरूरी है। मगर यह आम आदमी की असुविधा या अपमान के साथ न किया जाए।

यह कहना अतिश्योक्ति होगा कि लोगों की आस्था का विस्तार तेजी से हो रहा है। अब लगभग सभी बड़े व प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में बेतहाशा भीड़ लगने लगी है। रही बात पंजीकरण की तो अभी भी देश में ऐसा तबका है, जिसे नियमोंध पाबंदियों के विषय में जानकारी नहीं मिल पाती।उनके पास इतना धन भी नहीं होता कि वे एकाध दिन कहीं रुक कर इंतजार कर सकें। दो सौ मीटर के दायरे में फोन के प्रयोग जैसी पाबंदी श्रद्धालुओं के लिए बड़ी समस्या साबित हो सकती है। तस्वीरें निकालने या रील बनाने वालों से निपटने के और रास्ते खोजने की जरूरत है।

नियमों व पाबंदियों की आड़ में आस्था पर प्रहार से बचने के प्रयास होने चाहिए। चार धाम जैसी यात्रा करने वाले वर्षो से इसकी तैयारी करते हैं, तब निकलते हैं। वे आम भक्त हों या खास, उनकी भावनाओं की अनदेखी करने को कतई उचित नहीं कहा जा सकता।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

सुशासन ट्रैक पर विकास ने फिर पकड़ी रफ्तार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन के ट्रैक पर छत्तीसगढ़ ने फिर से विकास की रफ्तार पकड़ ली है। बीते छह माह पर नजर डाले तो साय सरकार ने किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए बहुत कम समय में ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए वर्ष 2047 तक विकसित–छत्तीसगढ़ का निर्माण के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विजन डाक्यूमेंट तैयार करने का काम भी शुरू कर दिया गया है।

विधानसभा चुनाव के दौरान छत्तीसगढ़ के लोगों को गारंटी दी थी कि छत्तीसगढ़ में लोगों के जीवन में खुशहाली और समृद्धि के लिए सुशासन

की स्थापना की जाएगी। इसे ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने एक अलग सुशासन और अभिसरण विभाग का गठन किया है। यह विभाग कल्याणकारी नीतियों के सफल क्रियान्वयन, उपलब्ध संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग और जन समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए काम कर रहा है। सभी विभागों को सुशासन के लिए अधिक से अधिक आईटी का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की निगरानी और समीक्षा के लिए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन 25 दिसंबर 2023, सुशासन दिवस पर अटल मॉनिटरिंग पोर्टल का शुभारंभ किया गया है।

साय सरकार ने आवासहीन और जरूरतमंद 18 लाख परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति, 13 लाख से अधिक किसानों को धान की बोनस राशि, 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी, महतारी वंदन योजना में 70 लाख से अधिक गरीब परिवारों की महिलाओं को हर माह एक–एक हजार रूपए देने जैसे अनेक निर्णयों पर क्रियान्वयन किया है। राज्य के माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में माओवाद उन्मूलन के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नियद नेल्लानार योजना शुरू की गई है। महतारी वंदन योजना, कृषक उन्नति योजना, रामलला दर्शन योजना, उद्यम क्रांति योजना जैसी कई अभिनव योजनाओं की शुरूआत हुई है। लोकतंत्र सेनानियों (मीसा बंदियों) की सम्मान निधि फिर से शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 13 जून से सभी विभागों में प्रशासनिक कसावट लाने के लिए समीक्षा बैठक लेने का सिलसिला शुरू कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि जन कल्याणकारी कार्यक्रम का क्रियान्वयन, पारदर्शिता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता रखें। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से कहा है कि आम नागरिकों की दिक्कतें दूर करने के लिए संवेदनशील होकर कार्य करें। लोकसभा निर्वाचन के बाद अब शासन की योजनाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार लगातार तेजी से काम कर रही है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना जैसी अनेक योजनाओं के क्रियान्वयन पर तैयारी शुरू कर दी गई है। राजस्व प्रशासन को भी मजबूत किया जा रहा है। भूमि संबंधी विवादों और दिक्कतों को दूर करने के लिए भू–नक्शों की जियो रिफरेंसिंग पर भी रणनीति तैयार कर ली गई है।

18 लाख आवास स्वीकृत–

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरकार बनने के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक आयोजित कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी के अनुरूप 18 लाख 12 हजार 743 जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने स्वीकृति दे दी। इसके लिए 12 हजार 168 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है।

13 लाख किसानों को धान का बोनस–

मोदी जी ने प्रदेश के किसानों को गारंटी दी थी कि सरकार बनने पर राज्य के किसानों को 2 साल का बकाया धान बोनस देंगे। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस, सुशासन दिवस पर छत्तीसगढ़ सरकार ने 13 लाख किसानों के बैंक खातों में 3716 करोड़ रुपए का बकाया धान बोनस अंतरित कर इस गारंटी को भी पूरा किया है।

3100 रूपए में धान की खरीदी–

साय सरकार ने 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदने की गारंटी को पूरा करते हुए 32 हजार करोड़ रुपए के समर्थन मूल्य की राशि का तत्काल भुगतान किसानों को किया और फिर 12 जनवरी को 24 लाख 75 हजार किसानों को कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत अंतर की राशि 13 हजार 320 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की है। इस साल खरीफ सीजन में राज्य में 145 लाख मीटिरक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी हुई है।

70 लाख महिलाओं का वंदन –महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं के बैंक खातों में राशि अंतरण का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की वर्चुअल उपस्थिति में 10 मार्च 2024 को हुआ। इस योजना के अंतर्गत राज्य की पात्र महिलाओं को प्रति माह एक–एक हजार रुपए की सहायता राशि दी जा रही है। योजना का लाभ 70 लाख से अधिक महिलाओं को मिल रहा है। अब तक इस योजना की चार माह की राशि जारी की जा चुकी है। पिछली सरकार ने महिला स्व सहायता समूहों से रेडी टू ईट का काम छीन लिया था। छत्तीसगढ़ सरकार ने अब फिर से उन्हें यह काम सौंप दिया है।

रामलला दर्शन योजना–छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अयोध्या में विराजमान रामलला के दर्शन हेतु निरूशुल्क आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य में रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना संचालित की जा रही है। शासकीय व्यय में अब तक हजारों दर्शनार्थी रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या भेजे जा चुके हैं।

तेन्दूपत्ता संग्रहण दर अब 5500 रूपए–राज्य में तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर 4000 रुपए प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर अब 5500 रुपए प्रति मानक बोरा कर दी गई है। चालू तेंदूपत्ता सीजन से ही 12 लाख 50 हजार तेंदूपत्ता संग्राहकों को योजना का लाभ मिल रहा है। संग्राहकों के लिए राज्य सरकार द्वारा चरण पादुका योजना भी शुरू की जाएगी, साथ ही उन्हें बोनस का लाभ भी दिया जाएगा।

भर्ती में युवाओं को पांच वर्ष की छूट–

युवाओं की बेहतरी के लिए राज्य सरकार ने अहम निर्णय लेते हुए पुलिस विभाग सहित विभिन्न शासकीय भर्तियों में युवाओं को निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट का निर्णय लिया है। अभ्यर्थियों को 31 दिसंबर 2028 तक आयु सीमा में 05 वर्ष छूट का लाभ मिलेगा।

यूपीएससी की तर्ज पर होगी पीएससी–यूपीएससी की तर्ज पर छत्तीसगढ़ पीएससी परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए यूपीएससी के पूर्व चेयरमेन प्रदीप कुमार जोशी की अध्यक्षता में आयोग का गठन कर दिया गया है। पीएससी की घोटाले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है।

पांच शक्तिपीठों का होगा विकास–राज्य की 5 शक्तिपीठों के विकास के लिए बजट में 5 करोड़ रुपए का प्रावधान कर दिया गया है। शक्तिपीठों के विकास के लिए चारधाम की तर्ज पर 1000 किलोमीटर की परियोजना शुरू की जाएगी। ग्रामीण घरों को नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जल जीवन मिशन के अंतर्गत 4500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

युवाओं के लिए उद्यम क्रांति योजना–राज्य में युवा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए उद्यम क्रांति योजना शुरू करते हुए बजट प्रावधान भी कर दिया है। इस योजना के तहत युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 50 प्रतिशत सब्सिडी पर ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की गई है।

अधोसंरचना और कनेक्टीविटी पर जोर–राज्य में सड़क, रेल और हवाई यातायात की सुविधाओं के विस्तार का काम भी शुरू हो चुका है। बिलासपुर और जगदलपुर से नयी उड़ानें शुरू हो चुकी हैं। जशपुर और बलरामपुर हवाई पट्टी के विस्तार के लिए बजट में प्रावधान कर दिया गया है। अंबिकापुर और जगदलपुर हवाई अड्डों में भी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

गरीबों के लिए मुफ्त राशन–छत्तीसगढ़ सरकार ने 68 लाख गरीब परिवारों को 05 साल तक मुफ्त राशन देने का निर्णय लिया है। इसके लिए बजट में 34 सौ करोड़ रुपए का प्रावधान है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके लिए भी बजट में 500 करोड़ रुपए का प्रावधान कर दिया गया है।

राजिम कुम्भ कल्प की पुनरू शुरूआत–राज्य की संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए राजिम मेले का आयोजन पुनरू उसके व्यापक स्वरूप में राजिम कुंभ कल्प के रूप में शुरू कर दिया गया है। बस्तर में प्राचीन काल से चले आ रहे अनेक ऐतिहासिक मेलों को भी शासकीय संरक्षण और सहायता दी जा रही है।

रायपुर में आईटी हब बनाने का काम शुरू–रायपुर को आईटी हब बनाने का काम शुरू हो गया है। हाल ही में 2 आईटी कंपनियों के साथ एमओयू हुआ है, उन्हें फर्नीस्ड बिल्डअप एरिया भी उपलब्ध करा दिया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार नवा रायपुर को बेंगलुरू की तर्ज पर आईटी हब के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य कर रही है।

शहीद वीर नारायण सिंह स्वास्थ्य योजना–राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ ही शहीद वीरनारायण सिंह स्वास्थ्य योजना शुरू करने का निर्णय लिया गया है। राज्य के दो बड़े मेडिकल कॉलेज अस्पतालों, मेडिकल कॉलेज अस्पताल रायपुर और छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बिलासपुर (सिम्स) में भवन के विस्तार और सुविधाओं के विकास का काम शुरू कर दिया गया है।

आईआईटी की तर्ज पर प्रौद्योगिकी संस्थान–राज्य में उच्च शिक्षा विभाग राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने का निर्णय लिया है। आईआईटी की तर्ज पर राज्य के जशपुर, बस्तर, कबीरधाम, रायपुर और रायगढ़ में प्रौद्योगिकी संस्थानों का निर्माण किया जाएगा। राज्य में छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा मिशन की स्थापना की जाएगी।

राज्य–राजधानी क्षेत्र का विकास (एससीआर)–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र विकास योजना की तर्ज पर राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) के विकास के लिए विस्तृत योजना बनाने का प्रावधान किया गया है। इससे राज्य में शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

इंडस्ट्रियल कॉरिडोर–राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कोरबा–बिलासपुर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का निर्माण करने का निर्णय लिया गया है। इन्वेस्ट इंडिया की तर्ज पर इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ आयोजित करने के लिए बजट में पांच करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। खनिजों के परिवहन में पारदर्शिता के लिए

खनिज परिवहन हेतु ऑनलाइन ई–ट्रांजिट पास जारी करने की व्यवस्था पुनरू प्रारंभ की गई है। इससे राज्य को मिलने वाले राजस्व में वृद्धि होगी।

आर्थिक सलाहकार परिषद –

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने के लिए विशेषज्ञ संस्थाओं से परामर्श करने तथा देश और दुनिया में चल रहे बेस्ट प्रैक्टिस को राज्य की परिस्थिति के अनुरूप लागू करने के लिए छत्तीसगढ़ आर्थिक सलाहकार परिषद का गठन करने का निर्णय लिया गया है।

लैटरल एंट्री पर हंगामा गलत

डॉ0 आर.के. सिन्हा

केन्द्र सरकार के विभिन्नविभागों में अहम पदों को संभालने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हाल ही में लैटरल एंट्री या कहें कि पार्श्व प्रवेश के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए एक विज्ञापन अखबारों में निकलवाया था। इसी को लेकर देशभर में गैर–जरूरी हंगामा खड़ा हो गया या निहित स्वार्थ से भरे लोगों द्वारा खड़ा कर दिया गया था। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार में लैटरल एंट्री पर रोक लगा दी गई है। यूपीएससी से कहा गया है कि वो लैटरल एंट्री से नियुक्ति न करे। कार्मिक विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन प्रीति सूदन को पत्र लिखकर कहा है कि इस नीति को लागू करने में सामाजिक न्याय और आरक्षण का ध्यान रखा जाना चाहिए।

बात बस इतनी सी थी कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने एक विज्ञापन जारी कर कहा था कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में वरिष्ठ पदों पर काम करने के लिए प्रतिभाशाली भारतीय नागरिकों की तलाश है। इन पदों में 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के शामिल हैं, जिनमें कुल 45 पदों पर भर्ती होनी है। इस विज्ञापन के छपने के बाद कांग्रेस के नेता राहुल गांधी सबसे ज्यादा हंगामा काट रहे थे। कह रहे थे कि केन्द्र सरकार सरकारी विभागों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों को भर्ती करना चाहती है। हालांकि हमेशा की तरह राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए किसी तरह के प्रमाण देने की जरूरत तक नहीं महसूस नहीं की। वे वैसे भी राहुल गाँधी जी हवाई बातें–दावे करने में माहिर हैं।

काश, राहुल गांधी को यह पता तो होगा ही कि देश के दस सालों तक प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह को देश का वित्त सचिव तक लेटरल एंट्री के माध्यम से ही बनाया गया था। वह तो तब तक तो वे दिल्ली विश्व विद्लाय में पढ़ा रहे थे। इसी तरह से मंटेक सिंह आहलूवालिया को भी कांग्रेस सरकार ने ही योजना आयोग का चेयरमेन बना दिया था। उनकी नियुक्ति भी उसी तरह से हुई थी जिस तरह से डॉ मनमोहन सिंह की खुद की हुई थी। इसलिए यह कहना सरासर गलत है कि मौजूदा सरकार कुछ विभागों के लिए बाहरी अभ्यर्थियों को नौकरी देकर गलत कर रही है।

न जाने क्यों यूपीएससी के इस कदम ने नौकरशाही में लैटरल एंट्री पर बहस छेड़ दी। राहुल गांधी और कांग्रेस के कुछ नेता कह रहे थे कि यूपीएससी की भर्ती की यह प्रक्रिया ष्पीछे के दरवाजे से भर्तीष है। इसे अंग्रेजी में बैक एंट्री भी कहा जा रहा है। अब कांग्रेस के नेताओं से यह तो पूछा ही पूछा जाना चाहिए कि सैम पित्रोदा और रघुरामन राजन कौन थे ? उन्हें किस आधार पर सरकार में लैटरल एंट्री के तहत ऊंचे पदों पर नौकरी दी गई थी ?

अब जान लेते हैं कि लैटरल एंट्री होता क्या है? दरअसल नौकरशाही में लेटरल एंट्री का मतलब है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस)

जैसे पारंपरिक सरकारी सेवा कैडर के बाहर के व्यक्तियों को सरकारी विभागों में मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पदों पर उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर भर्ती करना। इससे पहले लैटरल एंट्री के जरिए 2018 में पहली बार रिक्तियों की घोषणा की गई थी। लैटरल एंट्री करने वाले व्यक्तियों को आमतौर पर तीन से पांच साल के अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है, जिसमें प्रदर्शन और सरकार की आवश्यकताओं के आधार पर विस्तार की संभावना होती है। इन व्यक्तियों से ऐसी विशेषज्ञता लाने की उम्मीद की जाती है जो शासन और नीति कार्यान्वयन में जटिल चुनौतियों का समाधान करने में मदद कर सके।

यूपीएससी के हालिया विज्ञापन से साफ था कि उसे तीन स्तरों पर योग्य उम्मीदवारों की तलाश थीरू संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव। इन पदों पर तैनात अफसर अक्सर विभागों के भीतर विशिष्ट विंगों के प्रशासनिक प्रमुख या उनके सहायक के रूप में कार्य करते हैं और प्रमुख निर्णय लेने वाले होते हैं। लैटरल एंट्री के पीछे सरकार का तर्क यह रहा है कि नई प्रतिभा लाना और प्रशासन में कुशल जनशक्ति की उपलब्धता बढ़ाना।

आप गौर करें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जब बोलते हैं, वे तब सरकार को सदैव कोसते ही रहते हैं। लोकतंत्र में सदा स्वस्थ्य वाद–विवाद और सार्थक संवाद जारी रहना चाहिए। हमेशा ही बेवजह विवाद नहीं खड़े करने चाहिए। खडगे जी कह रहे हैं कि लैटरल एंट्री से सरकारी नौकरियों में हाशिए पर रहने वाले समुदायों को नुकसान होगा। राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को भी लैटरेल एंट्री पर आपत्ति है। अब इन ज्ञानी नेताओं को कोई बताए कि लैटरल एंट्री का विचार तो सर्वप्रथम कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान ही विकसित किया गया था। लैटरल एंट्री पर महाभारत करने वालों को पता होना चाहिए कि यूपीएससी की भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी है। इसलिए इस मसले पर विवाद खड़ा करने का कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसा करने वाले संवैधानिक संस्थानों पर आघात कर रहे हैं। दरअसल यह तो कहना पड़ेगा देश में सियासत के संसार का माहौल बहुत विषाक्त हो चुका है। सरकार के हरेक कदम का विपक्ष माखौल उड़ाता रहता है या उसमें कमियां निकालने की कोशिश करता रहता है। अगर यही रणनीति विपक्ष अपनाता रहा तो सरकार अपना कोई काम कर ही नहीं सकेगी। यकीन मानिए कि विपक्ष से यह कोई नहीं कह रहा है कि वह सरकार को उसकी किसी जन विरोधी नीतियों पर न घेरे। अवश्य घेरे और उसकी जितनी चाहे निंदा करे। पर विपक्ष को सरकार के फैसलों की सोच–समझकर ही आलोचना करनी चाहिए। अगर उसने यह न किया तो उसकी जनता के बीच छवि तार–तार हो जाएगी और वह एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने से वंचित हो जायेगा।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

अतिवृष्टि एवं आकाशीय विद्युत से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया है कि जनपद प्रतापगढ़ मौसम विभाग लखनऊ द्वारा प्राप्त सूचना/पूर्व चेतावनी के अनुसार अवगत कराना है कि उत्तर प्रदेश के जनपद प्रतापगढ़ एवं आस-पास के क्षेत्रों में दिनांक 09 से 13 सितम्बर तक भारी वर्षा, आंधी-तूफान, अतिवृष्टि एवं आकाशीय विद्युत होने की संभावना है। इस क्रम में जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के निर्देश के क्रम में जनपद के समस्त नागरिकों को सुरक्षित रहने एवं बचाव हेतु दिशा निर्देश (एडवाइजरी) जारी की गयी है।

उन्होने बताया है कि जनपद में मौसम की स्थिति के बारे में रेडियो, टी0वी0, दैनिक समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से निरन्तर जानकारी लेते रहे, यदि आवश्यक ना हो तो खराब मौसम की स्थिति में घर में रहें, खिड़कियों और दरवाजे बंद करें और यदि सम्भव हो तो यात्रा से बचे। सुरक्षित आश्रय लें, पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, कंक्रीट के फर्श पर न लेटे और कंक्रीट की दीवारों का सहारा न लें।

उन सभी वस्तुओं से दूर रहे जो बिजली का संचालन करती है, बिजली/इलेक्ट्रानिक उपकरणों को अनप्लग करें। यदि आप बाहर है तो विद्युत के तारों के नीचे विद्युत के खम्भों एवं ट्रान्सफॉर्मर के समीप ना खड़े हो। अपने पशुओं को खराब मौसम अथवा वर्षा की स्थिति में खुले में ना छोड़े और ना ही उनको पेड़ के नीचे बांध कर रखें, पशुओं को खराब मौसम अथवा

> सर्पदंश की घटना पर अस्पताल में चिकित्सकीय उपचार हेतु तत्काल सम्पर्क करें, झाड़/फूक के चक्करों में न पड़े,
> आकाशीय विद्युत से होने वाली घटनाओं से बचाव एवं पूर्व चेतावनी हेतु दामिनी ऐप का प्रयोग करें,
> आकाशीय बिजली की स्थिति के दृष्टिगत खराब मौसम में कृषि कार्य न करें-अपर जिलाधिकारी

वर्षा की स्थिति में सुरक्षित स्थान पर ही रखें। खराब मौसम अथवा वर्षा की स्थिति में कृषक खेतों में सुरक्षित तरीकों से ही कृषि कार्य करें, विशेषकर फसलों की जुताई-बुवाई/कटाई का कार्य खराब मौसम में ना करें, आकाशीय बिजली की स्थिति के दृष्टिगत खराब मौसम में कृषि कार्य न करें।

आकाशीय विद्युत से बचाव के लिए खेती के दौरान कृषक अपने साथ लकड़ी का छोटा पिढ़ा अथवा प्लास्टिक की बोरी साथ में अवश्य रखे और आकाशीय बिजली गिरने की स्थिति में उस पर ही अपना जितना सम्भव हो सकें छोटा आकार बनाकर बैठ जाए। नदी, तालाब, पोखरा व गहरे गड्ढे में जाने से बचें, बच्चों पर विशेष निगरानी रखें तथा उन्हें नदी, तालाब, नहर गड्ढे आदि के किनारे कतई न जाने दें। प्रायः वर्षा के कारण सर्पदंश की घटनाओं में वृद्धि होने के दृष्टिगत सर्पदंश की घटना के उपरान्त प्रमाणित कुशल चिकित्सक, सीएचसी/पीएचसी/जिला अस्पताल में चिकित्सकीय उपचार हेतु तत्काल सम्पर्क करें, झाड़/फूक आदि के चक्करों में न पड़े, तत्काल सर्वप्रथम प्रभावित हो उपचार हेतु अनिवार्य रूप से निकटतम चिकित्सालय लें जाये। पीने के पानी को उबालकर पीयें, नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से ब्लीचिंग पावडर व क्लोरीन टेबलेट प्राप्त कर लें। इससे सम्बन्धित किसी भी चिकित्सीय आपात काल में मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के कन्ट्रोल रूम नम्बर 05342-222041 एवं उक्त के अतिरिक्त 9044406400, 9044490800, 7991620103 एवं 7991320204 इन नम्बरों पर भी सम्पर्क करें। समस्त राजकीय चिकित्सालय, पी.एच.सी. एवं सी.एच.सी अस्पतालों हाई अलर्ट पर रहे। ट्रामा मैनेजमेन्ट, सर्पदंश, बिजली के झटके एवं जल-जनित रोगों के उपचार की व्यवस्था अपने चिकित्सालयों पर सुनिश्चित कर ले। आकस्मिक सेवाओं में तैनात अधिकारी/कर्मचारी ड्यूटी पर उपस्थित रहें। औषधियों आदि की व्यवस्था, रोगी वाहन की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर ली जाय। आकाशीय विद्युत की स्थिति में कभी भी छायादार बड़े पेड़ के नीचे शरण ना लें। आकाशीय बिजली की स्थिति में वाहन से यात्रा करने से बचे, अगर यात्रा कर रहें हो तो अतिशीघ्र सुरक्षित स्थान अथवा पक्के मकान में शरण लें। आकाशीय विद्युत से होने वाली घटनाओं से बचाव एवं पूर्व चेतावनी हेतु दामिनी ऐप का प्रयोग करें तथा इस एप के प्रयोग के लिए जन मानस को भी प्रेरित करें। उक्त के अतिरिक्त अन्य प्राकृतिक आपदाओं से राहत एवं बचाव तथा अपने जीवन को सुरक्षित रखने के लिए विभिन्न आपदाओं के दौरान क्या करें क्या ना करें के बारे में अधिक जानकारी/एडवाइजरी हेतु सचेत ऐप का सतत् प्रयोग करें एवं जन-मानस को भी इस एप के प्रयोग के लिए प्रेरित करें। बच्चों को अकेले नदी/घाटों के समीप न जाने दे, यदि जलस्रोत में है तो जलस्रोतो से तुरन्त बाहर निकले तथा नालो और मौसमी जलधाराओं से दूर रहें। भारी बारिश के दौरान फिसलन भरी सड़कों एवं खराब दृश्यता की स्थिति में वाहन चलाते समय सावधानी बरते, अतिप्रवाहित पुलों और जलमग्न सड़कों एवं सुरंगों से बचे। वर्षा के दौरान वज्रपात का खतरा रहता है, यदि खुले स्थान पर हो तो पक्के मकान की शरण ले, नदी, तालाब, घाटों से दूर रहे।

महिला अधिवक्ता की हत्या पर वकीलों का फूटा गुस्सा

रायबरेली (आरएनएस)।कासगंज में अधिवक्ता मोहिनी तोमर की हत्या के विरोध में अधिवक्ताओं में जबरदस्त उबाल है। घटना के विरोध में अधिवक्ताओं ने कचहरी परिसर से जुलूस निकालते हुए कलेक्ट्रेट पर पहुंचकर प्रदर्शन किया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।उसके बाद राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा।शनिवार को सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश चंद्र पांडे के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट में डीएम कार्यालय के बाहर हत्यारे को फांसी दो.. ..जैसे नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया।अधिवक्ताओं ने कहा कि कासगंज में अपहरण के बाद महिला अधिवक्ता की हत्या कर दी गई। इस जघन्य अपराध को अंजाम देने वालों को गिरफ्तार कर सख्त से सख्त सजा दी जाए।उनके परिजनों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए। परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। आए दिन हो रहीं इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट जल्द लागू किया जाए। अधिवक्ताओं को सुरक्षा दी जाए। इस मौके पर सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश चंद्र पांडे,महामंत्री अमरेंद्र सिंह,पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह भदौरिया,पूर्व मंत्री शशिकांत शुक्ला,वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश जायसवाल,उपाध्यक्ष अल्का सिंह राजपूत,संजय सिंह,नितीश शुक्ला,अमरेश तिवारी,विनोद सिंह,विवेक शर्मा,राजनाथ सिंह,अजय शर्मा,अनूप अवस्थी,शुभम श्रीवास्तव,अनिता श्रीवास्तव,गोविंद चौहान,अखिलेश माही,दुर्गेश सिंह मौजूद रहे।

संक्षेप

दुष्कर्म पीड़ित परिवार के साथ खड़ीः उत्तर प्रदेश सरकार:हरिओम पांडेय

मिल्कीपुर-अयोध्या (आरएनएस) । अयोध्या जनपद के खंडासा थाना क्षेत्र में हुई 16 वर्षीय दलित किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना में उत्तर प्रदेश सरकार पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी । प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार घटना में शामिल दरिंदों को ऐसी सजा देगी कि उनकी आने वाली नस्लें उसे याद रखेंगी।रिमझिम फुहार के बीच खंडासा थाना क्षेत्र के पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडे ने यह बातें पत्रकारों से बात करते हुए कही ,उन्होंने कहा कि यह घटना बहुत ही निंदनीय है और समाज में इस तरह की घटनाओं के लिए कोई स्थान नहीं है उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी घटना करने वालों का कोई जाति धर्म और मजहब नहीं होता है अपराधी सिर्फ अपराधी होता है वह किसी भी जाति संप्रदाय से हो उन्होंने पीड़ित परिवार की सभी मांगों को ध्यान से सुना और कहा कि सरकार उनकी सभी मांगों पर गंभीरता पूर्वक विचार कार्यवाही करेगी, उनके साथ बीकापुर के विधायक अमित सिंह उनके प्रतिनिधि सूर्य प्रताप श्रीवास्तव मिल्कीपुर के पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा आशुतोष मिश्रा अनुपम भाजपा नेता शैलेंद्र मोदी त्रिपाठी हरकेश कुमार शुक्ला बब्बन श्याम बहादुर अन्नू पूर्व प्रधान विष्णु कुमार सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे

स्कॉर्पियो ट्राला से टकराई

बछरावां,रायबरेली(आरएनएस) ।थाना क्षेत्र के अंतर्गत टोल टैक्स के पास लालगंज व खीरो थाना क्षेत्र से बाला जी (राजस्थान) दर्शन करने जा रहे स्कॉर्पियो सवारों की गाड़ी अनियंत्रित होकर हाइवे किनारे खड़े ईट लदे ट्राला से टकरा गई। जिसमें सवार आठ लोगों में से चार लोग घायल हो गए। स्कॉर्पियो सवार जैसे ही टोल टैक्स के पास पहुंचे तभी हाईवे पर अचानक एक महिला रोड पर कर रही थी। जिसे बचाने के चक्कर में ड्राइवर ने गाड़ी को दूसरी दिशा में मोड़ने के प्रयास में अनियंत्रित हो गई, और हाईवे किनारे खड़े ट्राला से टकरा गई।टकराने के बाद गाड़ी के एयरबैग खुल गए। परंतु चालक बसंत सिंह पुत्र उदय राज सिंह निवासी थाना खीरो व आगे की सीट पर बैठे जितेंद्र प्रताप पुत्र छत्रपाल सिंह थाना खीरों, व बीच की सीट पर बैठे लक्ष्मीकांत पुत्र मनोहर निवासी लालगंज एवं ऋतुराज सिंह पुत्र बसंत सिंह थाना खीरों घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एनएचएआई की एंबुलेंस के द्वारा घायलों को इलाज करने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार करने के पश्चात उनकी हालत को ठीक देखते हुए, चिकित्सकों ने उन्हें घर भेज दिया।

बलवंत निर्विरोध अध्यक्ष बने

महराजगंज,रायबरेली(आरएनएस)। मंगलवार को अधिवक्ता भवन में महराजगंज तहसील बार एसोसिएशन की एल्डर कमेटी की बैठक अध्यक्ष बलवंत प्रसाद शुक्ला व सदस्य धीरेंद्र प्रताप सिंह व धर्मेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई।इस दौरान अध्यक्ष सहित अन्य सभी पदों पर एकल नामांकन होने की वजह से सभी पदाधिकारियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।इस प्रकार से अध्यक्ष पद पर छोटेलाल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर आशुतोष मिश्र,उपाध्यक्ष पद पर दुष्यंत प्रसाद नवचेतन, उपाध्यक्ष पद पर संजीव कुमार श्रीवास्तव,महामंत्री पद पर नागेंद्र सिंह,वरिष्ठ सह मंत्री आलोक अवस्थी सह,मंत्री बृजेंद्र प्रताप, कोषाध्यक्ष सुमित कुमार, पुस्तकालय अध्यक्ष रामकुमार लोधी, आय व्यय निरीक्षक अवधेश कुमार पाल, मीडिया प्रभारी अर्जुन सिंह वरिष्ठ व कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य अयोध्या प्रसाद श्रीमाली, कृष्ण गोपाल अवस्थी, संतोष कुमार श्रीवास्तव, दलबहादुर सिंह ,प्रवीण कुमार शुक्ला, ताहिर हुसैन,अरविंद कुमार श्रीवास्तव,परमानंद वर्मा, राधेलाल,अंकुल पाठक, अतुल कुमार सिंह ,आशाराम निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

मोपेड की टक्कर में दंपति घायल

बछरावां,रायबरेली(आरएनएस)।शुक्रवार शाम बांदा बहराइच राजमार्ग पर बन्नावा गांव के पास बछरावां से अपने गांव प्रसाद खेड़ा जा रहे थे। मोपेट सवार वृद्ध छोटेलाल पुत्र रामनाथ उम्र 60 वर्ष निवासी प्रसाद खेड़ा मजरे बन्नावा एवं सताना पत्नी छोटेलाल उम्र 55 वर्ष को एक बाइक सवार ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद बाइक सवार अपनी बाइक लेकर मौके से फरार हो गया। बाइक की टक्कर से दोनों वृद्ध पति और पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों एवं राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस के द्वारा इलाज के लिए उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां पहुंचाया गया। जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। वहीं वृद्ध महिला सताना की हालत को गंभीर देखते हुए, उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। थाना प्रभारी ओमप्रकाश तिवारी ने बताया कि घटना की सूचना प्राप्त हुई है। तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी।

हत्या के विरोध में फूटा गुस्सा

डलमऊ,रायबरेली(आरएनएस)।कासगंज में महिला अधिवक्ता की हुई हत्या के मामले में डलमऊ के अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया है।डलमऊ तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्र बहादुर सिंह व महामंत्री मनोज सिंह की अगुवाई में दर्जनों अधिवक्ताओं ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया है। उसके बाद तहसीलदार उमेश चंद्र के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए कहा है कि कासगंज में मोहिनी तोमर अधिवक्ता के हत्यारे को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भिजवाया जाए,हत्या की जांच सीबीआई से कराई जाए,मोहिनी तोमर अधिवक्ता के परिवार वालों को एक करोड़ रुपए दिया जाए, अधिवक्ता सुरक्षा कानून अविलंब लागू किया जाए,उत्तर प्रदेश में हो रही है अधिवक्ताओं की हत्या व आए दिन भिन्न भिन्न जनपदों में विवाद पर नियंत्रण रखें जाने हेतु सम्यक कार्यवाही की जाए, मोहिनी तोमर के हत्यारों को गिरफ्तार कर फांसी की सजा दिलाए जाने की मांग की है। इस दौरान डलमऊ तहसील के अधिकतर अधिवक्ता मौजूद रहे।

खुलासे को लेकर व्यापार मंडल और पुलिस के बीच वार्ता

लालगंज,रायबरेली(आरएनएस) ।सराफा व्यापारी के साथ हुई लूट की घटना को एक सप्ताह से अधिक हो गया है ।खुलासा न होने के कारण व्यापारियों में खासा रोष व्याप्त है हालांकि व्यापारी पुलिस की कार्यवाही से असंतुष्ट है, लेकिन फिर भी जल्द खुलासे की मांग को लेकर व्यापार मंडल अध्यक्ष विवेक शर्मा, जिला अध्यक्ष रोहित सोनी व्यापार प्रतिनिधि मंडल हरिओम सोनी के पारिवारिक जनों के साथ कोतवाली पहुंचे। प्रभारी निरीक्षक से वार्ता की और कहा कि लुटेरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए जिससे व्यापारियों में व्याप्त दहशत समाप्त हो। उल्लेखनीय है कि 2 सितंबर को सर्राफा व्यापारी को गोली मारने की गंभीर घटना के मद्देनजर आईजी प्रशांत कुमार सहित पुलिस के आला अफसरो ने लालगंज में कैंप कर मामले का गहन निरीक्षण किया था। लेकिन अभी तक पुलिस कोई ठोस कार्यवाही नहीं कर पा रही है। हालांकि लालगंज पुलिस अपराधियों को पकड़कर उनसे लगातार पूछताछ कर रही है। व्यापार मंडल अध्यक्ष विवेक शर्मा और रोहित सोनी ने कहा कि लूट की घटना से सर्राफा व्यापारी नाराज है।

कर-करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में राजस्व प्रशासन एवं कर-करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने खनन, आबकारी, परिवहन विभाग, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, मण्डी, वाणिज्य कर सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली की समीक्षा की और निर्देशित किया कि शासन द्वारा जो भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसकी शत प्रतिशत पूर्ति की जाये। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि नामान्तरण, पैमाइश, वरासत के प्रकरणों को लम्बित न रहें उनका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये। उन्होने उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों, तहसीलदार (न्यायिक) को निर्देशित किया कि भू-राजस्व एवं जमींदारी विनाश अधि0 के अन्तर्गत वर्ष 2010 तक के लम्बित वादों को सूचीबद्ध करते हुये उसका निस्तारण एक माह के अन्दर करायें, लापरवाही कदापि न बरती जाये। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें, शिकायते डिफाल्टर श्रेणी में कदापि न जाने पाये। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि तहसीलों के अन्तर्गत भूमाफियाओं के विरूद्ध कार्यवाही की जाये। बैठक में जिलाधिकारी ने न्यायालय में लम्बित वादों की समीक्षा कर उपजिलाधिकारियों/तहसीलदारों को निर्देशित किया कि लम्बित वादों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये। उन्होने निर्देशित किया कि विभागों से सम्बन्धित आरसी की वसूली पर उपजिलाधिकारी, तहसीलदार क्षेत्रों में स्वयं जाकर बकायेदारों पर उचित कार्यवाही कर वसूली में तेजी लाये। बैठक चकबन्दी, राजस्व विभाग के अन्य कार्य जिसमें स्वामित्व योजना, घरौनी, आडिट आपत्ति, दैवीय आपदा सहित अन्य कार्यो की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि अपने-अपने कार्यो एवं दायित्वों का सम्यक निर्वहन करें, लापरवाही कदापि न बरते, अन्यथा की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, मुख्य राजस्व अधिकारी राकेश कुमार गुप्ता सहित समस्त सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, उपस्थित रहे।

महिला को बंधक बनाने का मामला निकला फर्जी

लालगंज,रायबरेली(आरएनएस)। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के चांदा बन्ना मऊ क्षेत्र में एक महिला को बंधक बनाने का वायरल वीडियो फर्जी है, यह जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि मौके पर उपनिरीक्षक निखिलेश कुमार सहित पीआरवी 112 गई थी। वहां पर कोई भी महिला नहीं मिली है। जिस महिला के बंधक बनाने की बात की जा रही थी ।उस महिला ने भी मामले को झूठा बताया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि जमीनी फ्रॉड का मामला डलमऊ तहसील के अंतर्गत हुआ है जिसका मूल बैनामेदार युवाेजु यादव चांदा बन्ना में रेल कंपोनेंट बनाने की फैक्ट्री खोलकर निवास करता है। वह वास्तविक रूप में फिरोजाबाद का निवासी है।उन्होंने बताया कि सरकारी अभिलेखों में युवाेजु यादव के नाम चढ़ी जमीन को किसी फर्जी व्यक्ति ने कूट रचित रचना के साथ युवाेजु यादव बनकरन डकोली ऐहार थाना कोतवाली लालगंज की महिला रेखा यादव के हाथ 32 लाख रुपए में बेच दिया है। जब जमीनी फ्रॉड के मामले की जानकारी युवाेजु यादव को हुई तो उन्होंने मामले की जानकारी रेखा यादव को दी। रेखा यादव ने मामले की शिकायत डलमऊ तहसील होने के चलते वहीं पर दर्ज कराई है।

चकबंदी समिति की बैठक सम्पन्न

करमा(सोनभद्र)(आरएनएस)। राबर्ट्सगंज तहसील अंतर्गत कसया खुर्द गांव मे चल रही चकबंदी प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए धारा 11 के क्रम मे कसया खुर्द गांव के सार्वजनिक स्थान ब्राह्मबाबा मंदिर परिसर में गांव के सम्पूर्ण किसानो व चकबंदी समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ कानूनगो ओम पासी की अध्यक्षता मे बैठक आयोजित की गयी। बैठक मे मुख्य रूप से गांव मेंआवश्यकतानुसार सार्वजनिक रास्ता हेतु स्थल का चिन्हाकन किया गया। कानूनगो श्री पासी ने बताया कि किसानो को उनकी सुविधा को देखते हुए आये हुए प्रस्तावो के मुताबिक सार्वजनिक रास्ता व चक तक पहुँचने के लिए चकरोड की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि कसया खुर्द की चकबंदी तीन माह के अंदर फाइनल कर दिए जाने की पूरी उम्मीद है। इस मौके पर लेखपाल रोहित तिवारी, शौरम सिंह, ग्राम प्रधान नागेंद्र सिंह, चकबंदी सदस्य राजेश मिश्र, त्रिपुरारी, उमाकांत मिश्र, प्रभाशंकर मिश्र, प्रमुनारायण सहित एक दर्जन से अधिक किसान गण उपस्थित रहे।

समस्याओं निस्तारण का दिया निर्देश

मीरजापुर(आरएनएस)। अपनादल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण तथा रासायनिक उर्वरक राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने रविवार को जनपद के सरदार पटेल चौराहा स्थित संसदीय जनसंपर्क कार्यालय में जनपद के विभिन्न हिस्सों से आये हुए लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को गम्भीरता पूर्वक सुनकर सम्बन्धित को निस्तारण करने का निर्देश दिया। केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती पटेल ने संबंधित अधिकारियों से बात कर लोगों की समस्याओं को तत्काल निस्तारित किये जाने का निर्देश देते हुए कहा है कि किसी भी पीड़ित की बातों को गम्भीरता से सुने और तत्काल उनकी समस्याओं की जांच कर उचित व सम्यक कार्यवाही करें तथा पीड़ित को कृत कार्यवाही से अवगत करायें। बता दें कि केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती पटेल ने आए हुए सभी जनता जनार्दन की एक-एक समस्याओं को सुनकर संबंधित विभाग व अधिकारी को त्वरित निस्तारण हेतु निर्देश दिया। इस आशय की जानकारी जिला मीडिया प्रभारी शंकर सिंह चौहान ने दी है।

डरा धमकाकर करा लिया जमीन का बैनामा

अयोध्या(आरएनएस)। पूराकलन्दर थाना अंतर्गत सरियावां निवासी राम अचल पाल को विगत 05 जुलाई 2024 को गांव के ही दबंग भू माफियाओं ने अपहरण कर उनकी दो बीघा जमीन डरा धमकाकर बैनामा करा लिया। उक्त घटना की लिखित शिकायत उनकी पत्नी द्वारा थाने से लेकर उच्चाधिकारियों तक की गई परन्तु अभी तक किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की गई है। पीड़ित परिवार दबंगों भू माफियाओं पर कार्रवाई करने की मांग को लेकर 05 सितम्बर से जिला मुख्यालय हेमू कल्याणी पार्क (तहसील सदर) में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठा हुआ है। धरने के पांचवें दिन सोमवार को धरना स्थल पर भाकपा जिला सचिव अशोक कुमार तिवारी, भाकपा (माले) जिला प्रभारी अतीक अहमद, भाकपा नेता उदय चन्द यादव ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त किया और कहा कि इस सरकार में गरीबों व कमजोर वर्ग के लोगों को न्याय पाना कठिन हो गया है।

संकीर्तन व हुई गणपति स्थापना

हरदोई(आरएनएस) ।श्री राधा अष्टमी के उपलक्ष्य में श्री कृष्ण जन्म सेवा दल के सदस्यों ने भक्त प्रहलाद नगरी हरदोई के कई मंदिरो में एक साथ धार्मिक आयोजन कर माहौल को धार्मिक बना दिया द्य आज श्री कृष्ण जन्म सेवा दल के सदस्यों ने श्री बैजनाथ धाम मंदिर सरायथोक, श्री शिव मंदिर कांशीराम कालोनी, श्री खाटू श्याम मंदिर रेलवेगंज, श्री महादेव मंदिर ग्राम काईमाऊ तथा श्री महावीर मंदिर गंज जलालाबाद मल्लावां में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये

महिला प्रभारी मंजू गुप्ता के नेतृत्व में सांय श्री खाटू श्याम मंदिर रेलवेगंज में श्री राधा संकीर्तन का आयोजन किया गया जहाँ प्रमुख गायक वेद प्रकाश गुप्ता राजू ने श्री राधा रानी व प्रभु श्री श्याम के भजनो का गुणगान किया साथ सभी को हनुमान चालीसा कराया द्य गायक वेद प्रकाश गुप्ता राजू ने लाख चाहू मगर बात बनती नहीं, बधाई हो लाली को जन्म हुओ है, इतनी कृपा करना श्री राधा रानी, जब तक जियू तेरी शरण में जियु आदि भजन सुना लोगो को मंत्र मुग्ध कर दिया द्य पुजारी विश्वास पाठक व पंडित रवि शंकर मिश्रा ने आरती व पूजन अर्चन संपन्न कराया आरती के बाद प्रसाद वितरण हुआ इस मौके पर सुनील अग्रवाल, विजय अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, अजय दीक्षित, नीलम जिंदल, पंकज गुप्ता, अंशिका अग्रवाल, मुस्कान अग्रवाल, सचिन शुक्ला, सुमित तिवारी, अनमोल अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

महिला प्रकोष्ठ जिला प्रमुख विनीता पांडे के नेतृत्व में सांय 5.30 बजे सराय थोक के श्री बैजनाथ धाम मंदिर में बहनों ने काफी संख्या में भाग लेकर 70 वॉ हनुमान चालीसा, राम स्तुति ,हनुमान बाण व आरती के साथ बजरंगबली जी का पूजन किया स इस अवसर पर हनुमान चालीसा पाठ के साथ प्रभु राम का गुणगान किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हनुमान जी इस कलियुग के एक मात्र मौजूद साक्षात देव है और उनका पूजन ही इस कलियुग से पार कराएगा इस मौके पर महिला संगठन की संयोजक सुधा गुप्ता, संघटन मंत्री अनीता मिश्रा, सह सयोंजक कंचन गुप्ता, नगर संयोजक रानी शुक्ला, प्रभारी अनीता गुप्ता, महामंत्री लक्ष्मी मिश्रा, नगर संयोजक आरती गुप्ता, सह संयोजक बीना त्रिपाठी, मंजू गुप्ता, मीनू सैनी, शशि गुप्ता, अनुपमा सिंह समेत भारी संख्या में लोगो ने सस्वर हनुमान चालीसा का पाठ किया।

महिला जिला युवा सह प्रभारी स्वाति श्रीवास्तव के नेतृत्व में कांशीराम कालोनी में स्थित श्री शिव मंदिर पर श्री कृष्ण जन्म सेवा दल प्रथम गणपति स्थापना की गई गणपति स्थापना से पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई यहाँ देर रात तक भजन संकीर्तन के कार्यक्रम चलते रहे इस मौके पर महिला युवा संगठन की पुष्पा श्रीवास्तव, अर्वंतिका श्रीवास्तव, उमाकांति त्रिवेदी, रीता गुप्ता, रेशमा शर्मा, सरला गुप्ता, अनीता कटियार, रिंकी सिंह, संगीता कश्यप, पिंटू कश्यप, दीपक कश्यप समेत कालोनी के तमाम लोग शामिल रहे।ग्राम काईमाऊ में युवा प्रभारी सुमित तिवारी के नेतृत्व में मंगल पाठ हुआ मल्लावां में आकाश गुप्ता व वंश कटियार के नेतृत्व में काफी संख्या में मौजूद लोगो ने सामूहिक मंगल पाठ किया।

'स्विगी स्किल्स पहल' के माध्यम से कौशल-रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए की साझेदारी

मेरठ, संवाददाता। 2047 तक विकसित भारत के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय ने स्विगी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और 'स्विगी स्किल्स' पहल का लॉन्च किया, जिसके तहत स्विगी के फूड डिलीवरी एवं क्विक कॉमर्स नेटवर्क को कौशल एवं रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। यह पहल रेस्टोरेंट संचालन में सक्रिय लोगों को रोजगार, इंटर्नशिप, प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करेगी। स्विगी स्किल्स पहल के तहत स्विगी पार्टनर प्लेटफॉर्म को स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) के साथ शामिल किया जाएगा, तथा स्विगी के कर्मचारियों को ऑनलाईन कौशल विकास पाठ्यक्रम, प्रमाणपत्र और प्रशिक्षण मॉड्यूल्स उपलब्ध कराए जाएंगे।

यह साझेदारी स्विगी से जुड़े 2.4 लाख डिलीवरी पार्टनर्स तथा रेस्टोरेन्ट पार्टनर्स के स्टाफ को लाभान्वित करेगी।इस पहल के लॉन्च और साझेदारी पर बात करते हुए श्री जयंत चौधरी, राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय ने कहा, "2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में लॉजिस्टिक्स सेक्टर की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इसी को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने भारत में नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी का लॉन्च किया है। हम इस सेक्टर में विकास के लिए अनुकूल प्रणाली के निर्माण की दिशा में भी काम कर रहे हैं, जहां कौशल और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। आज की साझेदारी इस बात को दर्शाती है कि किस तरह सार्वजनिक निजी साझेदारी सेक्टर के कर्मचारियों के लिए नए मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक कॉर्पोरेट्स हमारे साथ जुड़ें।'श्री अतुल

कुमार तिवारी, सचिव, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय ने कहा, "यह साझेदारी दो स्तरों पर बदलाव लेकर आएगी। यह प्रधानमंत्री जी के दृष्टिकोण के अनुरूप कार्यबल को स्किलिंग, अपस्किलिंग और रीस्किलिंग के अवसर प्रदान कर रीटेल और सप्लाई चेन लॉजिस्टिक्स सेक्टर के आर्थिक योगदान को बढ़ावा देगी। इस पहल के साथ स्किल इंडिया डिजिटल हब को जोड़ने से स्विगी पार्टनर प्लेटफॉर्म- स्किल लोन, कोर्सेज, क्रेडिट्स, सर्टिफिकेशन को सुगम बनाएगा, जिससे कर्मचारी इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपना कौशल बढ़ाकर आजीविका के अवसर पा सकेंगे।'

श्रीमति सोनल मिश्रा, संयुक्त सचिव, एमएसडीई और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी लॉन्च समारोह में मौजूद रहे।स्विगी एक प्रमुख स्वदेशी और कन्ज्यूमर ब्राण्ड है जो तकरीबन 700 शहरों में अपना संचालन करता है। स्विगी फूड के साथ फूड डिलीवरी और स्विगी इंस्टामार्ट के साथ क्विक कॉमर्स में अग्रणी इस ब्राण्ड के पास डिलीवरी कर्मचारियों और रेस्टोरेन्ट पार्टनर्स का व्यापक नेटवर्क जुड़ा है।स्विगी स्किल्स पहल के तहत स्विगी पार्टनर प्लेटफॉर्म को स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) के साथ शामिल किया जाएगा तथा स्विगी के कर्मचारियों को ऑनलाईन कौशल विकास पाठ्यक्रम, प्रमाणपत्र और प्रशिक्षण मॉड्यूल्स उपलब्ध कराए जाएंगे।

इसके अलावा एमएसडीई की योजनाओं और प्रोग्रामों के तहत प्रशिक्षण पाने वाले युवा विभिन्न जॉब रोल्स में नौकरियां पा सकेंगे। साथ ही युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराने की योजना भी बनाई गई है, जिन्हें स्विगी के क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर रोजगार मिलेगा।हस्ताक्षर समारोह के दौरान श्री रोहित कपूर, सीईओ, स्विगी फूड मार्केटप्लेस ने कहा, "हम अपने पार्टनर्स ऐप पर एमएसडीई के स्किल इंडिया डिजिटल हब को इंटीग्रेट करने जा रहे हैं, जिससे तकरीबन 2.4 लाख डिलीवरी पार्टनर्स और हमारे 2 लाख रेस्टोरेन्ट पार्टनर्स का स्टाफ ऑनलाईन कौशल विकास पाठ्यक्रमों, ऑनलाईन

100 वार्डों में लगा सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

15498 लोगों ने स्वास्थ्य सेवा का लिया लाभ किया और कराया स्वास्थ्य का परीक्षण

प्रयागराज। मोदी के जन्म दिवस पर महापौर गणेश केशरवानी ने महानगर की सभी एक सौ वार्ड में सेवा पखवाड़े के अंतर्गत कृष्णा नगर वार्ड के कोहराना , नई बस्ती वार्ड गढ़ैया, अलोपीशंकरीबाग, दारागंज में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया। इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने और कहा कि राष्ट्र एवं समाज के लिए सेवा ही सर्वोपरि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जीवन का मूल रहा है उन्होंने संगठन से लेकर सरकार तक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों को अपनाते हुए अंत्योदय सिद्धांत पर अटल रहे और गरीबों के कल्याण के लिए गरीब कल्याण योजना को उन्होंने अपनी सरकार में प्राथमिकता दी और आज पूरी दुनिया मानव कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को स्वीकार कर रही है। कालिंदीपुरम राजरूपपुर, सिविल लाइन एवं मलाक राज वार्ड में शिविर का उद्घाटन करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जीवन कार्यकर्ताओं के प्रति प्रेरक है। जिसका स्वरूप सेवा ही संगठन है। जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया महानगर सभी सौ वार्डों में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का कैंप लगाया गया जिसमें अपने 15 498 लोगों ने स्वास्थ्य का परीक्षण कराया जिसमें बीपी, शुगर, थायराइड, की निशुल्क जांच की गई और कैंप में आए मरीजों को उनके बीमारी के अनुरूप निशुल्क स्वास्थ्यवर्धक दवाई दी गई। अन्य स्वास्थ्य शिविर में पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ नरेंद्र कुमार सिंह गौर, एवं क्षेत्र के सभी पाषर्द गण,महानगर के पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष लगाए गए थे इस अवसर पार्षद किरन जायसवाल, उमेश मिश्रा, सुनीता चोपड़ा,विवेक अग्रवाल ,प्रमोद मोदी, गिरिजेश मिश्रा, रमेश पासी वरुण केसरवानी,राजेश केसरवानी, विवेक मिश्रा, पार्षद अनुपमा पांडे, नीरज गुप्ता, आकाश सोनकर, आशीष द्विवेदी, दिग्विजय सिंह, दीपिका सिंह रहे।

भारत को जानना है तो हिंदी जरूरी-न्यायमूर्ति गौतम चौधरी

प्रयागराज। झूंसी स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय केन्द्र पर श्न्याय के क्षेत्र में राजभाषा हिंदी संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम के मुख्यअतिथि न्याय मार्ग स्थित इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी रहे। हिंदी विश्वविद्यालय ने न्याय के क्षेत्र में हिंदी सेवा के लिए प्रयागराज उच्च न्यायालय न्यायमूर्ति डॉ गौतम चौधरी को सम्मान पत्र दे कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हिंदी को अपनाने के लिए हमने मन से प्रयास नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जरूरी नहीं है कि हम कठिन हिन्दी का प्रयोग करें, लोगों को समझ में आने वाली आसान भाषा का प्रयोग करने की आवश्यकता है। मुझे लोग यह कहे कि मुझे अंग्रेजी नहीं आती यह मेरे लिए मायने नहीं रखता परन्तु कोई यह कहे कि न्यायमूर्ति गौतम चौधरी को हिंदी नहीं आती यह मेरे लिए बहुत शर्म का विषय होगा। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी जानना मतलब विश्व को जानना और हिंदी जानना मतलब अपने भारत को जानना। हिंदी को आगे बढ़ाने के लिए हमें रूढ़ियों को तोड़ना होगा। हिंदी में काम करने में कोई बाधा नहीं है, सिर्फ इच्छा शक्ति का अभाव है। हम गुलामी की मानसिकता से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। आज भी हमारे समाज में अंग्रेजी पढ़ने, बोलने वालों को ज्यादा शिक्षित समझा जाता है। जबकि चीन, जापान जैसे दुनिया के तमाम दूसरे देशों में अपनी भाषा में पढ़ने बोलने को प्राथमिकता दी जाती है। हमें हिंदी को रोजी–रोटी की भाषा बनाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का अध्यक्षता कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संवाद से सम्भावनाओं के द्वार खुलते हैं। न्यायमूर्ति गौतम चौधरी ने जो प्रयास हिंदी भाषा के लिए किए है उससे अनेक सम्भावनाओं के मार्ग न्याय के क्षेत्र में खुलेंगे। न्यायमूर्ति गौतम चौधरी की तरह के लोगों को न्याय के क्षेत्र में अत्यधिक आवश्यकता है। हमें प्रयास करना होगा कि हमारी मातृभाषा के रूप में अंग्रेजी की जगह हिंदी भाषा को स्थान मिलना चाहिए। शेक्सपियर से बड़े कवि कालिदास रहे हैं, हिंदी भाषा में सूरदास, कबीर दास, रामचंद्र शुक्ल जैसे महान साहित्यकार प्रदान किया जिनके साहित्य का लोहा दुनिया मानता है। स्वागत वक्तव्य क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज के अकादमिक निदेशक प्रोफेसर दिगंबर तंगलवाड ने किया। जिसमें उन्होंने मुख्य अतिथि का विस्तृत परिचय कराया। इसके पूर्व अतिथियों द्वारा महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। केंद्र के अकादमिक निदेशक ने अतिथियों को विश्वविद्यालय का स्मृति चिन्ह,अंगवस्त्र और सूत की माला देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का विषय प्रवर्तन साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अखिलेश कुमार दुबे ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ अनूप त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम का आभार तथा धन्यवाद ज्ञापन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. आनंद पाटील ने ऑनलाइन माध्यम से किया। इस अवसर पर जनसंचार के विद्यार्थियों द्वारा प्रायोगिक समाचार पत्र मीडिया समय का लोकार्पण भी किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज के सभी शिक्षक कर्मचारी एवं शोधार्थी विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। डॉ अवंतिका शुक्ला डॉ. सुप्रिया पाठक, डॉ. डॉ आशा मिश्रा डॉ अख्तर आलम, मिथिलेश तिवारी, डॉ. सत्यवीर, डॉ. श्याम सिंह, जयेंद्र जायसवाल, सुभाष श्रीवास्तव, राहुल त्रिपाठी, उमेश शर्मा, आदित्य, प्रभात,अनुज, प्रशान्त उपस्थित थे।

राजभाषा पखवाड़ा: एनसीआर में वाक् प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। हिंदी दिवस के उपलक्ष्ध्य में उत्ध्तर मध्ध्य रेलवे के मुख्ध्यालय में 13 सितंबर से आयोजित राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत आज श्क्ध्या सोशल मीडिया पर नियंत्रण आवश्ध्यक है ?श विषय पर हिंदी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाप्रबंधक कार्यालय के विघभिन्ध्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों ने अत्ध्यंत उत्ध्साह से भाग लिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया के फायदे, नुकसान और उसके जोखिम के बारे में अपने विचार व्ध्यक्ध्त किए और उस पर किस हद तक नियंत्रण रखा जाए इस संबंध में विस्ध्तार से प्रकाश डाला। निर्णायक के रूप में उपस्थित उप वित्ध्त सलाहकार एवं मुख्ध्य लेखा अधिकारीध्ध्परियोजना इकाई डॉ. स्ध्वामी प्रकाश पाण्ध्डेय ने कहा कि किसी भी विषय का

सकारात्ध्मक और नकारात्ध्मक दोनों पक्ष होता है। सोशल मीडिया के माध्ध्यमों में ज्ञानार्जन, अनुसंधान और सशक्तिकरण की अपार संभावनाएं हैं। आवश्ध्यकता है कि हम सोशल मीडिया का सम्ध्यक और विवेकपूर्ण उपयोग करें। साथ ही यह भी जरूरी है कि बच्ध्चों और युवाओं का, इनके उपयोग के संबंध में समुचित मार्गदर्शन और नियंत्रण सुनिश्चित करें। इस अवसर पर दूसरे निर्णायक के रूप में उपस्थित उप मुख्ध्य राजभाषा अधिकारी एवं उप मुख्ध्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर प्रोजेक्ध्ट प्रियंका सिंह ने कहा कि समय, संदर्भ और प्राद्योगिकी की बढ़ती हुई गति को देखते हुए सोशल मीडिया के प्रयोग पर आत्ध्मनियंत्रण ही सबसे बड़ा नियंत्रण है। सोशल मीडिया ने हमें उन क्षेत्रों में सहज और सुगम पहुँच दी है, जिनके संबंध में परंपरागत माध्ध्यम पर्याप्ध्त नहीं हैं। हम वास्ध्तविक समय के आधार पर व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से उपयोगी जानकारी हासिल कर सकते हैं। सोशल मीडिया के नकारात्ध्मक प्रभावों को रोकने के लिए कानूनी तरीकों के अलावा व्ध्यावहारिक निदान कहीं ज्ध्यादा जरूरी और अपेक्षित है। मुख्ध्य संवाददाता एनसीआर शशि कान्त त्रिपाठी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में निशांत चौहान, अवर लेखा सहायध्क, लेखा विभाग को प्रथम स्ध्थान, कुमारी किशोरी, कार्यालय अधीक्षक, सतर्कता विभाग को द्वितीय स्ध्थान तथा आमोद कुमार त्रिपाठी, उप निरीक्षक, रेल सुरक्षा बल, सुरक्षा विभाग को तृतीय स्ध्थान प्राप्ध्त हुआ। प्रतियोगिता का संचालन वरिष्ध्ठ राजभाषा अधिकारी निर्माण यथार्ध्थ पाण्ध्डेय द्वारा तथा आभार प्रदर्शन वरिष्ध्ठ राजभाषा अधिकारी चन्ध्द्र भूषण पाण्ध्डेय द्वारा किया गया। राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित टिप्ध्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता में सुमीत कुमार, वरिष्ध्ठ अनुभाग अधिकारी, लेखा विभाग को प्रथम, राजीव कुमार, वरिष्ध्ठ अनुभाग अधिकारी लेखा, निर्माण संगठन को द्वितीय तथा राम बिहारी, कनिष्ध्ठ लिपिक, परिचालन विभाग को तृतीय स्ध्थान प्राप्ध्त हुआ। इसी तरह हिंदी टाइपिंग प्रतियोगिता में राहुल वर्मा, वरिष्ध्ठ लिपिक, कार्मिक विभाग को प्रथम, नीरज पाण्ध्डेय, कार्यालय अधीक्षक, वाणिज्ध्य विभाग को द्वितीय तथा इन्ध्द्र राज मीना, वरिष्ध्ठ लिपिक, भंडार विभाग को तृतीय स्ध्थान प्राप्ध्त हुआ। इन सभी विजेता प्रतिभागियों को 30 सितंबर को राजभाषा पखवाड़ा के मुख्ध्य समारोह के दौरान महाप्रबंधक द्वारा पुरस्ध्कृत किया जाएगा।

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के माध्यम से स्वभाव स्वच्छता और संस्कार स्वच्छता का संदेश

प्रयागराज। रविवार को बलिदानी पंडित चंद्रशेखर आजाद पार्क में प्रातः 7 बजकर 30 बजे नगर निगम द्वारा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम व पण्डित जी की प्रतिमा परिसर में श्रमदान नुक्कड़ नाटक और स्वच्छता शपथ का ली। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विशेष सचिव नगर विकास विभाग उत्तर प्रदेश शासन सत्य प्रकाश पटेल द्वारा श्रमदान करके किया। विशेष सचिव ने टीम के साथ मिलकर श्रमदान किया। बल्कि स्वच्छता के प्रति अवगत किया। उन्होंने कहा की रू नगर निगम प्रयागराज स्वच्छता पर अच्छी रणनीति के साथ काम कर रहा है। कचरे का संग्रहण, पृथक्करण, निस्तारण और ब्लैक स्पॉट को खत्म करने की रणनीति को लेकर नगर निगम प्रयागराज को बधाई दिया। स्वच्छता में आए बदलाव को

लेकर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पार्क में आए शहरवासियों को सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध, पर्यावरण संरक्षण और महाकुंभ 2025 के लिए मनोरंजन के साथ स्वच्छता का संदेश प्रेषित किया। नुक्कड़ नाटक के बाद स्वच्छता फॉर रन का आयोजन किया गया जिसने लगभग 500 से अधिक लोग शामिल होकर स्वच्छता के नारे लगाए हुए पूरे पार्क में लोगो स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम की थीम स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता का संदेश दिया। सहायक नगर आयुक्त दीपशिखा पांडेय ने बताया की नगर निगम की पूरी टीम श्रमदान करते हुए 205 ाह गीला और 20 ाह सुखा कूड़ा एकत्रित किया जिसे नगर निगम के प्रोसेसिंग यूनिट पर भेज दिया गया। श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट के आईईसी प्रमुख कृष्ण कुमार मौर्य द्वारा अंत वहां उपस्थित शहरवासियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई।

स्वच्छता ही सेवा- विशेष सचिव

प्रयागराज। बलिदानी पण्डित चंद्रशेखर आजाद पार्क में सोमवार को

नगर निगम प्रयागराज द्वारा आयोजित स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के माध्यम से स्वभाव स्वच्छता और संस्कार स्वच्छता का संदेश कार्यक्रम का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश सरकार विशेष सचिव नगर विकास विभाग सत्य प्रकाश पटेल द्वारा झाडू लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की।

यावत्यः शाखास्तावन्तो वृक्षाः

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 138 वे स्थापना दिवस के अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग के छात्रों एवं शोधार्थियों के द्वारा संगठित समन्वयन के प्रतीक पिरामिड कौशल प्रदर्शन का आयोजन किया गया। यह पिरामिड कौशल अपने स्थायित्व,संतुलन,एकता,शक्ति, समन्वय,समानता तथा सामुहिक प्रयासों का प्रतीक है उसी प्रकार हमारा विश्वविद्यालय इन्हीं सब गुणों के गुणात्मक स्वरूपों का प्रतिबिंब है जो अपनी यशस्वी कुलपति महोदया के निर्देशन में अपनी नींव को मजबूती प्रदान कर रहा है साथ ही नित नूतन प्रयासों के शिखरों को छू रहा है। ष्यावत्यः शाखास्तावन्तो वृक्षाःष जय तुम्हारी जय तुम्हारी३३३. विश्वविद्यालय इलाहाबाद

उत्तर मध्य रेलवे

शुद्धिपत्र

संविदा के आधार पर चिकित्सकों की नियुक्ति के साक्षात्कार हेतु दिनांक 15.09.2024 से 18.09.2024 के मध्य जारी अधिसूचना के क्रम में सूचित किया जाता है कि चिकित्सकों की नियुक्ति के संबंध में शैक्षिक योग्यता–किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एमबीबीएस/बीडीएस की डिग्री प्रकाशित हुई थी, जिसे भविष्य में एमबीबीएस की डिग्री पढ़ा व समझा जाए। इसके अतिरिक्त अधिसूचना की अन्य नियम व शर्तें यथावत रहेंगी। 1645/24 (D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

प्रत्येक विषय को उपयुक्त तथा अपरिहार्य समय और स्थान

प्रयागराज। विद्या प्रकाशन मन्दिर (प्रा०) लि० के सौजन्य से आयोजित 'विद्या संवाद यात्रा–24 सहारनपुर, बिजनौर क्षेत्रों के माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षिक संवाद स्थापित करने के उपरान्त आज पवित्र संगम नगरी प्रयागराज पहुंची। प्रयागराज जोन के ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गंगापुरी रसूलाबाद,एस०पी० कॉन्वेण्ट इण्टर कॉलेज, मुण्डेरा, फूल पत्ती देवी गर्ल्स इण्टर कॉलेज, बमरौली, आर०पी० रस्तौगी इण्टर कॉलेज, मलाक हरहर, राम प्रताप बालिका इण्टर कॉलेज, हनुमान गंज, सलिकराम दयाराम शास्त्री इण्टर कॉलेज, गुलालपुर तथा आर्य कन्या इण्टर कॉलेज, प्रयागराज में माध्यमिक कक्षाओं के बोर्ड परीक्षार्थियों को विद्या शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के वक्ताओं ने अत्यन्त प्रभावशाली ढंग से सम्बोधित किया। प्रमुख वक्ता डॉ० जय शंकर आत्रेय

ने बोर्ड–परीक्षार्थीगण से अपने घर का टाइम–टेबिल तैयार करने के लिए आग्रह किया, जिसमें प्रत्येक विषय को उपयुक्त तथा अपरिहार्य समय और स्थान दिया जाये। उन्होंने क्लास–नोट्स तथा विषय की पाठ्य–पुस्तकों के आधार पर समन्वित नोट्स बनाने को कहा। डॉ० आत्रेय ने कहा कि विशेष प्रश्नों से जुड़े प्रत्येक प्रश्नोत्तार के अन्तर्गत शीर्षक, उपशीर्षक, परिभाषा, सूत्र तथा चित्र व आँकड़ों को समाहित किया जाएगा। वक्ता मयंक पाठक ने स्थायी वंह्ठस्थीकरण के लिए अभिमंत्रित सूत्र चिं०पु०लि० का सहारा लेने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि चिन्तन, पुनरावृत्ति तथा लिखना–इन क्रियाओं के बार–बार अभ्यास से बच्चों को पक्का याद हो जाता है। परीक्षा की पूर्व रात्रि के समय सार–संक्षेप तथा विशेष सामग्री को मानस पटल पर दोहराकर सोना चाहिए। इससे सामग्री अवचेतन मन में संगृहीत होती है। प्रो० राजीव ओबराय ने कहा कि उच्च शिक्षा की स्नातक कक्षाओं में प्रवेश लेने, सरकारी एवं गैर–सरकारी संस्थाओं की छात्रवृत्तियाँ पाने, परीक्षाध्प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने के जिज्ञासुओं तथा शिक्षा में बेहतर रोजगार पाने के सुअवसर के लिए घोर संघर्ष करने वाले बच्चों के लिए अनिवार्य है कि बोर्ड–परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्त करें। विद्या प्रकाशन मन्दिर ने संवाद हेतु चयनित अपने विद्यालयों के मेधावी छात्र–छात्राओं को ट्रॉफी प्रदान कर के तथा प्रधानाचार्यों डॉ० लाल जी यादव, जुगल किशोर, रीता सिंह, रोशन लाल वत्स, सत्येन्द्र सिंह, अर्चना, आशुतोष तिवारी, कामाक्षा सिंह को सम्मान प्रतीक प्रदान कर अभिनंदन किया।

सीएमपी में राजभाषा हिंदी पर पन्द्रह दिवसीय व्याखान कार्यक्रम का समापन।

प्रयागराज। महात्मा गांधी मार्ग स्थित चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय में सोमवार को राजभाषा पखवाड़े समापन सत्र अंतर्गत ष्राजभाषा हिंदीरूसमस्या और समाधानष विषय पर मुख्य वक्ता प्रोफेसर भूरेलाल चक्रवर्ती (प्रोफेसर, हिंदी विभाग,इलाहाबाद विश्वविद्यालय) ने अपने विचार साझा किये। मुख्य वक्ता को पौधा और स्मृति चिह्न प्रदान करके एवं प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने अंगवस्त्रम प्रदान करके कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की ।प्रोफेसर दीनानाथ ने स्वागत वक्तव्य देकर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। राजभाषा पखवाड़ा के 15 दिवसीय कार्यक्रम की विस्तृत आख्या प्रोफेसर सरोज सिंह (वरिष्ठ आचार्य,हिंदी विभाग)द्वारा प्रस्तुत की गई ।विषय पर बोलते हुए प्रोफेसर भूरेलाल ने कहा कि भारत एक बहुभाषिक,बहुधर्मी, बहुत सामुदायिक, बहु सांस्कृतिक देश है फिर भी बहुभाषिकता होने से भी हिंदी को राष्ट्रभाषा होने में कोई समस्या नहीं है क्योंकि भारत के निर्माण में सभी का योगदान है ।हिंदी और उर्दू पर भी प्रकाश डालते हुए हिन्दी भाषा को सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों का संवाहक बताया । उन्होंने यह भी कहा कि राजभाषा के बहाने राष्ट्रभाषा की आवश्यकता की पूर्ति का विधान भी संविधान में किया गया है । छब्म्त्ज के प्रोफेसर कृष्ण कुमार का जिक्र करते हुए कहा कि उनके अनुसार धर्मनिरपेक्षता के प्रति वचनबद्ध होते हुए भी हिंदुस्तानी हिंदी कार्य क्षेत्र के बाहर ही रही। डॉ. धर्मवीर के बहाने उन्होंने हिंदी के जीनियस के विकास की बात कही। उन्होंने ये बातें जोर देकर कहा कि अन्य प्रादेशिक भाषाओं के होने के बावजूद हिंदी ही अपने भूगोल को विकसित करने में कामयाब रही ।सुदीप्ति कविराज का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए अन्य भाषाओं की शब्दावलियों को भी ग्रहण करने की जरूरत है । हिंदी का भी अपना स्वतंत्र साहित्यिक सिद्धांत एवं शास्त्र होना आवश्यक बताया।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062